1080517 - A2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड 'क'

1. अनुशासन किसी वर्ग या आयु-विशेष के लिए ही नहीं, अपितु सभी के लिए ही परमावश्यक होता है। जिस जाति, देश और राष्ट्र में अनुशासन का अभाव होता है, वह अधिक समय तक अपना अस्तित्व नही बनाए रख सकता है। जो विद्यार्थी अपनी दिनचर्या निश्चित अवस्था मे नहीं ढाल पाता, वह निरर्थक है क्योंकि विद्या ग्रहण करने में व्यवस्था ही सर्वोपरि है। अनुशासन का पालन करते हुए जो विद्यार्थी योगी की तरह विद्याध्ययन में जुट जाता है, वही सफलता पाता है। अनुशासन के अभाव में विद्यार्थी का जीवन शून्य बन जाता है। कुछ व्यवधानों के कारण विद्यार्थी अनुशासित नहीं रह पाता और अपना जीवन नष्ट कर लेता है। सर्वप्रथम बाधा है उसके मन की चंचलता। उसे अनुभव नहीं होता है, इसलिए गुरुजनों की आज्ञाएँ तथा विद्यालयों के नियम, अभिभावकों की सलाह उसे कारागार के समान प्रतीत होते हैं। वह उनसे मुक्ति का मार्ग तलाशता रहता है। कर्तव्यों को तिलांजली देकर केवल अधिकारों की माँग करता है। हर प्रकार से केवल अपनी आकांक्षाओ की पूर्ति के लिए संघर्ष पर उतारू हो जाता है और यहीं से उच्छृंखलता और अनुशासन हीनता का जन्म होता है- **5**

गद्यांश के आधार पर सही विकल्प चुनिए-

(i) अनुशासन परमावश्यक है - **1**

(क) विद्यार्थियों के लिए (ख) प्रत्येक व्यक्ति के लिए

(ग) सफलता के इच्छुकों के लिए (घ) वैज्ञानिकों के लिए

(ii) विद्यार्थी की तुलना की गई है **1**

(क) योगी से (ख) राष्ट्र से

(ग) तपस्या से (घ) उपरोक्त सभी

(iii) शून्य का अर्थ है- **1**

(क) असफल (ख) सफल

(ग) मृत्यु (घ) व्यर्थ

(iv) विद्यार्थी की अनुशासनहीनता का प्रमुख कारण है- **1**

(क) कर्तव्यों को तिलाजंलि (ख) अव्यवस्थता

(ग) मन की चंचलता (घ) अधिकारों की माँग

(v) विद्यार्थी को गुरू की आज्ञा, नियम, अभिभावकों की सलाह किसके समान लगती है - **1**

(क) ज़हर (ख) निरर्थक बात

(ग) कैद (घ) इच्छाओं के विरुद्ध

2. समय की उपेक्षा करने वालों को समय नष्ट कर देता है । महात्मा गांधी सभी कार्य निर्धारित समय पर करते थे अत: अत्यंत व्यस्त होते हुए भी निरंतर प्रगति करते हुए सफलतम महान व्यक्तियों की श्रेणी में पहुँचे। जेम्स वॉट, मेडम क्यूरी और एडीसन ने समय के प्रत्येक पल का सही प्रयोग कर के संसार को महान अविष्कार प्रदान किए। समय का सदुपयोग भाग्य-निर्माण की आधारशिला है। असमय कार्य करने वाले कायर और निरुद्यमी बन जाते है। अपने कर्तव्य-कर्म को यथाशीघ्र बिना विलम्ब से करना ही समय का सदुपयोग है और वही समय का पारखी भी है। जो समय का सदुपयोग है और वही समय का पारखी भी है। जो समय का सदुपयोग करना जान गया वही जीवन को सही ढंग से जीना सीख जाता है। हर व्यक्ति को पैसों की अपेक्षा समय का अधिक ध्यान रखना होगा, तभी वह अपने-अपने क्षेत्र में सफल हो पाएगा। **5**

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए।

(i) समय किन्हें नष्ट कर देता है **1**

(क) समय के पारखी को (ख) समय व्यर्थ गँवाने वालों को

(ग) विलम्ब करने वालों को (घ) धन व्यर्थ गँवाने वालों को

(ii) महान लोगों ने संसार को नए अविष्कार और अपना योगदान कैसे दिया- **1**

(क) मेहनत से (ख) कर्म करके

(ग) हर पल का सदुपयोग करके (घ) अपने क्षेत्र में सफल रह कर

(iii) समय का सदुपयोग आधार शिला है- **1**

(क) धन की (ख) यश की

(ग) सफलता की (घ) भाग्य-निर्माण की

(iv) असमय कार्य करने वाले बन जाते है- **1**

(क) कायर व निरुद्यमी (ख) असफल

(ग) निर्धन (घ) भाग्यहीन

(v) समय को किससे अधिक महत्वपूर्ण बताया है- **1**

(क) सफलता (ख) साहस

(ग) धन (घ) उपर्युक्त सभी

3. साक्षी है इतिहास, हमी पहले जागे है **5**

जाग्रत सभी हो रहे, हमारे ही आगे है।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं?
हैं हमें प्रकम्पित कर चुके,
सुरपति तक का भी हृदय।
फिर एक बार हे विश्व । तुम गाओ भारत की विजय।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है, तेज़ हमारा
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
बताओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा,
पर शरणागत कब हुआ कहाँ
कब हमें न प्यारा।
बस-युद्ध-मात्र को छोड़कर,
कहाँ नहीं है हम सदय।
फिर एक बार हे विश्व।
तुम गाओ भारत की विजय।

उपर्युक्त काव्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प लिखिए।

(i) 'पहले जागे हैं' का भाव है- **1**

(क) हम सोकर उठे हैं (ख) हमने कार्य पूर्ण किया है

(ग) हमने विजय पाई है (घ) हमने सर्वप्रथम ज्ञान पाया है।

(ii) 'हैं हमी प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का हृदय' से हमारी किस विशेषता का बोध होता है- **1**

(क) वीरता, साहस (ख) युद्ध-कौशल

(ग) हार कर जीतना (घ) उपर्युक्त सभी

(iii) हमारी दयालुता प्रकट होती है- **1**

(क) शत्रु को दलित करना (ख) शरणागत को आश्रय देना

(ग) अपना तेज़ दिखाकर (घ) विश्व में जय जयकार करवाकर।

(iv) 'अपने आगे सबका जागृत होना' का भाव है - **1**

(क) हमारे पश्चात ज्ञानी होना (ख) हमारे बाद सोकर उठना

(ग) हमारे पीछे चलना (घ) हमारे सामने झुकना

(v) कवि किसे भारत की जयजयकार करने को कह रहा है- **1**

(क) भारतवासियों को (ख) शत्रुओं को

(ग) विश्व को (घ) सेना को

4. हारा हूँ सौ बार, गुनाहों से लड़कर **5**

लेकिन बारम्बार लड़ा हूँ।
मैं उठ-उठकर इससे
मेरा हर गुनाह भी मुझसे हारा।
मैंने अपने जीवन को इस तरह उबारा
डूबा हूँ रोज, किनारे तक आ-आ कर।
लेकिन मैं हर रोज़ उगा हूँ जैसे दिनकर,
इससे मेरी असफलता भी मुझसे हारी
मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी।

उपर्युक्त काव्यांश पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(क) कवि ने अपनी असफलताओं पर विजय कैसे पाई है- **1**

(i) संघर्ष न करके (ii) निरंतर संघर्ष करके

(iii) सुंदर बनकर (iv) गुनाहों से लड़कर

(ख) किनारे तक आकर डूबने का अर्थ है- **1**

(i) काम तमाम होना (ii) प्रयत्न व्यर्थ जाना

(iii) सफलता के समीप होकर भी सफलता न होना (iv) हार जाना

(ग) कवि सूर्य का उदाहरण देकर क्या बताना चाहते है - 1

(i) हार के बाद फिर संघर्ष करना

(ii) संसार में सुखों का प्रकाश फैलाना

(iii) क्रोध में आकर आग बरसाना

(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) कवि ने अपना जीवन कैसे सँवारा- 1

(i) जीतकर (ii) खुश रहकर

(iii) सूर्य की तरह चमक कर (iv) हार न मानकर, निरंतर संघर्ष करके।

(ङ) 'उठ-उठ' में अलंकार है- 1

(i) अनुप्रास / पुनरुक्ति (ii) पुनरुक्ति प्रकाश

(iii) उपमा (iv) रूपक

खंड 'ख'

5. (i) 'मैं सबसे पहले बोलना चाहता हूँ। इस वाक्य से बना मिश्रित वाक्य होगा- 1

(क) मैं चाहता हूँ कि सबसे पहले बोलूँ ।

(ख) मैं बोलना चाहता हूँ लेकिन सबसे पहले।

(ग) मैंने जब चाहा, पहले बोलना चाहा ।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

(ii) मैदान में हरी घास है। हरी घास पर बच्चे खेल रहे है। इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य होगा- 1

(क) मैदान मे जहाँ हरी घास है, वहाँ बच्चे खेल रहे है।

(ख) मैदान की हरी घास पर बच्चे खेल रहे हैं।

(ग) मैदान में हरी घास है और वहाँ बच्चे खेल रहे है।

(घ) मैदान है, हरी घास है, और बच्चे खेल रहे है।

(iii) जहाँ पहले जंगल था, वहाँ अब घनी बस्ती है । रचना के आधार पर यह वाक्य का भेद है - 1

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

(घ) सूचनावाचक वाक्य

(iv) मैं कल बीमार था इसलिए विद्यालय न जा सका। रचना कें आधार पर यह वाक्य का भेद है - 1

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) आज्ञावाचक वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

(घ) संदेहवाचक वाक्य

6. (i) भोपाल जाने वाली गाड़ी स्टेशन पर पहुँच चुकी है। रेखांकित मे पदबंधका भेद है 1

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया (घ) विशेषण

(ii) बहुत बोलने वाले तुम आज चुप क्यों हो? 1

रेखांकित में पदबंधका भेद है

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया (घ) विशेषण

(iii) रमा ने पेटभर खाना खाया । 1

रेखांकित का पद-परिचय होगा-

(क) सकर्मक क्रिया, पुलिंग, एकवचन, भूतकाल

(ख) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

(ग) संयुक्त क्रिया पुलिंग, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल

(घ) सरल क्रिया, पुलिंग, एकवचन, भूतकाल

(iv) सुमित और रमेश बहुत अच्छे मित्र हैं। 1

रेखांकित का पदपरिचय होगा

(क) अव्यय, समुच्चयबोधक

(ख) अव्यय, संबंधबोधक, संबंधकारक

(ग) निजवाचक सर्वनाम, कर्ता कारक, पुलिंग बहुवचन

(घ) इनमें से कोई नहीं।

7. (i) 'सूर्य+ऊर्जा' की संधि है- 1

(क) सूर्यार्जा (ख) सूर्योजा

(ग) सूर्योर्जा (घ) सूर्यूर्जा

(ii) परमैश्वर्य का संधि-विच्छेद है- 1

(क) परम + ऐश्वर्य (ख) परम् + ऐश्वर्य

(ग) परम + ईश्वर्य (घ) परम + एश्वर्य

(iii) 'रेखांकित' में स्वर-संधि का कौन सा भेद है? 1

(क) दीर्घ (ख) गुण

(ग) वृद्धि (घ) यण

(iv) 'सेनापति' समस्त पद का विग्रह है- 1

(क) सेना और पति (ख) सेना के लिए पति

(ग) सेना का पति (घ) सेना पर आई आपत्ति

8. (i) 'कालसर्प' समस्त-पद में समास का भेद है : 1

(क) कर्मधारय समास (ख) तत्पुरूष समास

(ग) अव्ययीभाव समास (घ) द्विगु समास

(ii) 'अपने में लीन' का समस्त पद है- 1

(क) अपलीन (ख) आपलीन

(ग) आत्मलीन (घ) आत्मालीन

(iii) बेटे ने चोरी की, यह खबर सुनकर उसके पिता.....गए। उचित मुहावरे से रिक्त स्थान भरिए- 1

(क) शर्मिंदा होना (ख) आग बबूला होना

(ग) चौकन्ना होना (घ) आड़े हाथों लेना

(iv) दसवीं फेल रमेश को सरकारी नौकरी मिली तो दोस्तों ने कहा कि ..... गई है। उचित लोकोक्ति से रिक्त स्थान भरिए- 1

(क) अंधे के हाथ बटेर लगना (ख) छोटा मुँह बड़ी बात

(ग) एक अनार सौ बीमार (घ) इनमें से कोई नहीं

9. (i) 'बे सिर-पैर की बातें करना' का अर्थ है- 1

(क) अधूरी बातें करना (ख) व्यर्थ की बातें करना

(ग) अश्लील बातें बोलना (घ) भूतों की बाते करना

(ii) 'बाट जोहना' का अर्थ है 1

(क) परिश्रम करना (ख) खेती करना

(ग) प्रतीक्षा करना (घ) छिप जाना

(iii) निम्नलिखित में से कौन-सा अव्यय नहीं है - 1

(क) क्रिया विशेषण (ख) क्रिया

(ग) समुच्चयबोधक (घ) संबंधबोधक

(iv) जब किसी शब्द को वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो वह क्या कहलाता है - 1

(क) शब्दांश (ख) पदबंध

(ग) वर्ण (घ) पद

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए- 5

हरि आप हरो जन री भीर
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धरयों आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यों, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीरा लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

(i) ईश्वर ने द्रोपदी की लाज कैसे बचाई- **1**

(क) चीर-फाड़कर (ख) चीर काटकर

(ग) चीर बढ़ाकर (घ) चीर घटाकर

(ii) 'काटी कुण्जर' में कौन-सा अलंकार है- **1**

(क) रूपक अलंकार (ख) मानवीकरण

(ग) अनुप्रास (घ) अतिश्योक्ति

(iii) प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर बताइए कि ईश्वर ने किसके दुख दूर किए- **1**

(क) द्रोपदी (ख) प्रल्हाद

(ग) गजराज (घ) उपरोक्त सभी

(iv) मीरा ने ईश्वर से क्या प्रार्थना की है- **1**

(क) मीरा को ईश्वर अपनी दासी बना लें

(ख) मीरा को ईश्वर प्रेम करें

(ग) सदैव मीरा के साथ रहें

(घ) मीरा के दुख दूर कर दें।

(v) 'भीर' का क्या अर्थ है- **1**

(क) भार (ख) पीड़ा

(ग) कपड़ा (घ) ईश्वर

अथवा

गिरि का गौरव गाकर झर-झर **5**
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर ।
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
है झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर

(i) गिरि का गौरव गान कौन कर रहा है? **1**

(क) पर्वत (ख) झरने

(ग) वृक्ष (घ) बादल

(ii) मोती की लड़ियों के समान सुंदर किसे कहा गया है ? **1**

(क) पर्वत (ख) वृक्ष

(ग) आकाश (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'नस-नस' में कौन-सा अलंकार है? **1**

(क) अनुप्रास (ख) पुनरुक्ति प्रकाश

(ग) मानवीकरण (घ) उपमा

(iv) वृक्षों की तुलना किससे की गई है? 1

(क) उच्चाकांक्षाओं से (ख) मोतियों से

(ग) फूलों की माला से (घ) असीमित नभ से

(v) 'अनिमेष का अर्थ है? 1

(क) अनमना (ख) असीमित

(ग) बादल (घ) एकटक

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर संक्षेप मे दीजिए - **2.5x2=5**

(क) इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास। आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अंतर था।

(ग) तँतारा की तलवार कें बारे में लोगों का क्या मत था?

(घ) 'तीसरी कसम' फिल्म को खरीददार क्यों नही मिल रहे थे?

12. लेखक के इस कथन से की 'तीसरी कसम' फिल्म कोई सच्चा कवि-हृदय ही बना सकता था, आप कहाँ तक सहमत है? स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

डॉ. दास गुप्ता जुलूस में घायल लोगों की देखरेख तो कर ही रहे थे, उनके फोटो भी उतरवा रहे थे। उन लोगों के फोटो खींचने की क्या बजह हो सकती थी? स्पष्ट कीजिए।.

13. स्कूल का समय निकट था, नहीं ईश्वर जाने यह उपदेश-माला कब समाप्त होती। भोजन आज मुझे नि:स्वाद सा लग रहा था। जब पास होने पर यह तिरस्कार हो रहा है, तो फेल हो जाने पर तो शायद प्राण ही ले लिए जाएँ। भाई साहब ने अपने दरजे की पढ़ाई का भयंकर चित्र खींचा था, उसने मुझे भयभीत कर दिया। स्कूल छोड़कर घर नहीं भागा, यही ताज्जुब है, लेकिन इतने तिरस्कार पर भी पुस्तकों में अरूचि ज्यों की त्यों बनी रही।

(क) उपदेश-माला समाप्त होने का कारण क्या था? 1

(ख) भोजन किसे नि:स्वाद लग रहा था और क्यों ? 2

(ग) उसे स्कूल छोड़कर घर भागने की इच्छा क्यों हुई ? 2

अथवा

तँतारा लहूलुहान हो चुका था.... वह अचेत होने लगा और कुछ देर बाद उसे कोई होश नहीं रहा। वह कटे हुए द्वीप के अंतिम भूखंड पर पड़ा हुआ था जो कि दूसरे हिस्से से संयोगवश जुड़ा हुआ था। बहता हुआ तँतारा कहाँ पहुँचा, बाद में उसका क्या हुआ कोई नहीं जानता। इधर वामीरों पागल हो उठी। वह हर समय तँतारा को खोजती हुई उसी जगह पहुँचती और घंटो बैठी रहती। उसने खाना-पीना छोड़ दिया। परिवार से वह एक तरह विलग हो गई। लोगों ने उसे ढूँढने की बहूत कोशिश की किंतु कोई सुराग न मिल सका। आज न तँतारा है न वामीरों; किंतु उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर तँतारा की दशा क्या हुई? स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) तँतारा से अलग होकर वामीरों की क्या दशा हुई? अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ग) घर-घर में क्या सुनाया जाता है? 1

14. ठाकूरबाड़ी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव है, उससे उनकी किस मनोवृति का पता चलता है ? 3

अथवा

हरिहर काका को जबरन उठाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया ?

15. गाँव की ठाकुरबारी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 2

16. (क) तोप कविता का संदेश लिखिए। 2

(ख) मीरा ने श्रीकृष्ण की सुंदरता का वर्णन किस प्रकार किया है? 2

(ग) कबीर के अनुसार संसार में सुखी कौन है और दुखी कौन है? 1

खंड 'घ'

17. **दिए गए संकेत बिंदुओ के आधार पर लगभग 100 शब्दों मे एक अनुच्छेद लिखिए-** 5

(क) **मेरा प्रिय खेल**

- जीवन में खेलकूद का महत्व
- प्रिय खेल? क्यों?
- खेल के नियम

(ख) **इंटरनेट का उपयोग**

- विज्ञान और तकनीक की देन
- जीवन के विविध क्षेत्रों में लाभ
- हानियाँ-पुस्तकों और स्वयं सोच-विचार की अपेक्षा इंटरनेट पर निर्भर, अपराधीकरण
- कुछ सुझाव

(ग) **पुरूषार्थ ?**

- जीवन कर्म प्रधान
- पुरूषार्थ से लक्ष्य-प्राप्ति
- आलसी और भाग्यवादी असफल
- संसार के विकास का कारण-पुरूषार्थ, श्रम और अथक प्रयास।

18. रेल-यात्रा में सामान चोरी हो जाने पर रेलवे पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अनियमित डाक-वितरण के संबंध में डाकिए की शिकायत करते हुए पोस्टमास्टर का पत्र लिखिए।

- o O o -